



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	04.11.2024	--	--

# बाजरा को बढ़ावा देने के लिए आंध्र प्रदेश की कंपनी के साथ एचएयू का एमओयू



समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्ण सीडीस कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा

विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके।

विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा आंध्र प्रदेश की सम्पूर्ण सीडीस कंपनी की तरफ से श्री वाई रमेश ने हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. जयंती टोकस, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. सोमबीर, डॉ. देवव्रत व डॉ. हर्षदीप उपस्थित रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभ्युक्ता	५. ११.२५	१२	३-४

एमओयू

बाजरे की किस्म एचएचबी ६७ संशोधित-२ का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी

# एचएयू का आंध्र प्रदेश की कंपनी के साथ समझौता

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्ण सीडीस कंपनी के साथ समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की किस्म एचएचबी ६७ संशोधित-२ का बीज



समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कंपनी अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारी। खेत: संस्थान

तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके।

बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि एचएचबी-६७ संशोधित २

बाजरा की सुप्रसिद्ध संकर किस्म एचएचबी ६७ संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काशत के लिए २०२१ में अनुमोदित की गई है।

बाजरे की उन्नत किस्मों को बढ़ावा देने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर

एचएचबी ६७ संशोधित के नर जनक एच७७/८३३-२-२०२ को चिह्नित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी ६७ संशोधित २ में एचएचबी ६७ संशोधित के सभी गुण, जैसे कि अतिशीघ्र पकना, शुष्क रोधिता, अगेती, मध्यम व पछेती बुराई, दाने व चारों की अच्छी गुणवत्ता विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारों की औसत उपज क्रमशः ८.० विवंटल तथा २०.९ विवंटल प्रति एकड़ हैं। यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	५. ११. २५	३	६-८

### हकूमि की बाजरा किस्म को बढ़ावा देने के लिए आंध्र प्रदेश की कंपनी से समझौता

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्ण सीडिस कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सोमवार को बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न गर्जों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाया जाकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा आंध्र प्रदेश की



सम्पूर्ण सीडिस कंपनी की तरफ से श्री वाई रमेश ने हस्ताक्षर किए हैं। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित 2 बाजरा की सुप्रसिद्ध संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काशत के लिए 2021 में अनुमोदित की गई है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणु मुंजाल, डॉ. जयंती टोकस, डा. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. सोमबीर, डॉ. देवव्रत यादव व डॉ. हर्षदीप उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ईनक भिन्न	५. १०. २५	७	।

हक्की के बाजरा के  
लिए आंध्र प्रदेश की  
कंपनी से समझौता

हिसार, ४ जून २०१३

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की समूर्ण सीइस कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं।



5

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टि · भैम	५-१०-२५	१	५-८

# बाजरा किस्म को बढ़ावा देने के लिए एचएयू का आंध्र प्रदेश की सम्पूर्ण सीईस कंपनी के साथ हुआ करार

लगातार बढ़ती जा रही एचएयू द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है।

इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्ण सीईस कंपनी के साथ समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने सोमवार को बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओवे) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे



हिसार। समझौता जापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारी।

फोटो: हरिभूमि

की एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके। विश्वविद्यालय की ओर से समझौता जापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा आंध्र प्रदेश की सम्पूर्ण सीईस कंपनी की तरफ से

श्री. वाई रमेश ने हस्ताक्षर किए हैं। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि समझौता जापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का

## दे रहे नौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से आएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, जीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेण मुजाल, डॉ. जयती टोकस, डा. जितेन्द्र भट्टाचार्य, डॉ. सोमधीर, डॉ. देवतत्व यादव व डॉ. हर्षदीप उपस्थित रहे।

बीज मिल सकेगा। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित 2 बाजरा की सुप्रसिद्ध संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बागानी क्षेत्रों में आम काशत के लिए 2021 में अनुमोदित की गई है। एच एच बी 67 संशोधित के नर जनक एन77/833-2-202 को चिह्नित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित 2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण, जैसे कि अतिशीघ्र पकना; शुष्क रोधिता अग्री मध्यम व पछती बुवाई, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 मिलिट्री तथा 20.9 किलोट्रिल प्रति एकड़ है। यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व बाजरा की अन्य विभागीयों के रोगरोधी है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भैनडु ज०१७।२७।	५-११-२६	५	१-५

### बाजरा किस्म को बढ़ावा देने के लिए कंपनी के साथ समझौता

जागरण संवाददाता हिसार : चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्ण सीइस कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे। इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं।

उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी, तोकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।



हृषि में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारीयों

विश्वविद्यालय की ओर से समझौता होगा। इसके बाद किसानों को भी ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डा. इस उन्नत किस्म का बीज मिल राजबीर गांव ने तथा आंध्र प्रदेश की सकेगा। इस दौरान विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य, श्री वाई रमेश ने हस्ताक्षर किए।

मनव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश यादव ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने जिंदल, डा. रेणु मुंजाल, डा. जयंती टोकस, डा. जितेन्द्र भाटिया, डा. सोमबीर, डा. देववत यादव व डा. को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन हर्षदीप उपस्थित रहे।

यह नई संशोधित संकर किस्म वेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम

देती है। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डा. अनिल यादव ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित 2 बाजरा की सुप्रसिद्ध संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की गई है। एचएचबी 67 संशोधित के नर जनक एच77/833-2-202 को चिन्हित (मार्कर) समायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित 2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण, जैसे कि असिंध्र पकना, शुक्र रोधिता, अगोती, मध्यम व पछेती बुवाई, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता विद्यमान है। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 क्विंटल तथा 20.9 क्विंटल प्रति एकड़ है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भैनडु ज०१७।२७।	५-११-२६	५	१-५

### बाजरा किस्म को बढ़ावा देने के लिए कंपनी के साथ समझौता

जागरण संवाददाता हिसार : चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्ण सीइस कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे। इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं।

उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी, तोकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।



हृषि में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारीयों

विश्वविद्यालय की ओर से समझौता होगा। इसके बाद किसानों को भी ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डा. इस उन्नत किस्म का बीज मिल राजबीर गांव ने तथा आंध्र प्रदेश की सकेगा। इस दौरान विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य, श्री वाई रमेश ने हस्ताक्षर किए।

मनव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश यादव ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने जिंदल, डा. रेणु मुंजाल, डा. जयंती टोकस, डा. जितेन्द्र भाटिया, डा. सोमबीर, डा. देववत यादव व डा. को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन हर्षदीप उपस्थित रहे।

यह नई संशोधित संकर किस्म वेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम

देती है। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डा. अनिल यादव ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित 2 बाजरा की सुप्रसिद्ध संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की गई है। एचएचबी 67 संशोधित के नर जनक एच77/833-2-202 को चिन्हित (मार्कर) समायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित 2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण, जैसे कि असिंध्र पकना, शुक्र रोधिता, अगोती, मध्यम व पछेती बुवाई, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता विद्यमान है। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 क्विंटल तथा 20.9 क्विंटल प्रति एकड़ है।

## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय



समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्जीत समाजार	५-१०-२५	७	१-३

### हक्की का आंध्र प्रदेश की सम्पूर्ण सीड़िस कम्पनी के साथ हुआ समझौता



समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान भौजूद कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारी गण।

हिसार, 4 नवम्बर (विरेन्द्र वर्मा): उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा आंध्र प्रदेश की सम्पूर्ण सीड़िस कंपनी की तरफ से श्री वाई रमेश ने हस्ताक्षर किए हैं। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उत्पादन का बीज मिल सकेगा। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित 2 बाजरा की सुप्रसिद्ध संकर किस्म कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि

एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उत्पाद रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बाजारी क्षेत्रों में आम काशत के लिए 2021 में अनुमोदित की गई है। एचएचबी 67 संशोधित के नर जनक एच77/833-2-202 को चिन्हित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित 2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण, जैसे कि अतिशीघ्र पकना; शुष्क रोधिता; अगोती; मध्यम व पछ्ती बुवाई, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उत्तर क्रमशः 8.0 किंवद्वय तथा 20.9 किंवद्वय प्रति एकड़ हैं। यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व बाजरा की अन्य बिमारियों के रोगरोधी है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणु मुंजल, डॉ. जयंती टोकस, डॉ. जितेन्द्र भट्टाचार्य, डॉ. सोमवीर, डॉ. देवदत यादव व डॉ. हर्षदीप उपरिस्थित रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाप्ति पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
५ निम्न प्राप्ति	५-११-२५	३	६४

### एचएचू की बाजरा किस्म को बढ़ावा देने के लिए संपूर्ण सीड़स कंपनी से समझौता

बाजरे की किस्म एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज किया जाएगा तैयार

भारत न्यूज़ | हिसार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग तगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्ण सीड़स कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विवि द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते एमओएयू किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूदा अधिकारीगण।

#### बाजरा किस्म को जोगिया रोग प्रतिरोधक बनाया

बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित 2 बाजरा की सुप्रसिद्ध संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काशत के लिए 2021 में अनुमोदित की है। एचएचबी 67 संशोधित के नं जनक एच 77/833-2-202 को

चिह्नित मार्कर सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित 2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण, जैसे कि अतिशीघ्र पकना; शुष्क रोधिता; आटोती; मध्यम व पछेती बुवाई, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 विकंटल तथा 20.9 विकंटल प्रति एकड़ है।



२  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	५-११-२४	५	४

# THE TIMES OF INDIA

INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER | To subscribe call 1800 1200 004 or visit [subscribe.timesofindia.com](http://subscribe.timesofindia.com)

## HAU signs MoU with AP firm

**Hisar:** With an increasing demand for improved varieties of millet developed by the university, Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University has signed an MoU with Samapurna Seeds Company of Andhra Pradesh to promote technical commercialization. The company will produce seeds of the HHB 67 modified-2 millet developed by the university and supply them to farmers. **TNN**